

2



एम्स भोपाल में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया

5



राजवीर की बात में इस बार नरेन्द्र सिंह तोमर

7



सीआर पाटिल ने की सीएम विष्णुदेव साय से मुलाकात

RNI-MPBIL/2011/39805

निष्पक्ष और निर्भीक साप्ताहिक

# जगत प्रवाह

वर्ष : 15 अंक : 21

प्रति सोमवार, 30 सितंबर 2024

मूल्य : दो रुपये पृष्ठ : 8

## ईमानदार और बेदाग छबि के लिए विख्यात हैं डॉ. खटीक

अपने सभी जन प्रतिनिधियों को हटाकर चौकाया

मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ लोकसभा से सांसद और केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार खटीक की संगठन में अच्छी पकड़ बताई जाती है। वीरेन्द्र कुमार खटीक हर पन्द्रह दिन में चौपाल लगाते हैं। जहां पर वह लोगों की समस्याओं को सुनते हैं और निदान करते हैं। यहीं से उनका लोगों से जुड़ाव हो जाता है। उन्हें स्कूटर वाले सांसद के नाम से जाना जाता है। बेहद सरल स्वभाव वाले खटीक बाजार से सब्जी लेने और आँटों में सवारी करते अक्सर लोगों को मिल जाते हैं। वीरेन्द्र कुमार खटीक सबसे वरिष्ठ और बेदाग सांसदों की सूची में आते हैं। वह दो बार मोदी कैबिनेट में शामिल हो चुके हैं और प्रोटेम स्पीकर की भूमिका भी निभा चुके हैं। खटीक

कवर स्टोरी

-विजया पाठक

एडिटर



क्षेत्र और संगठन में हैं अच्छी पकड़



स्कूटर वाले सांसद के नाम से मशहूर हैं डॉ. वीरेन्द्र कुमार खटीक

ट्रांसफर-पोस्टिंग की अनुशांसा नहीं करते। हमेशा क्षेत्र में सक्रियता के चलते चौपाल लगाते हैं और पूरे क्षेत्र में आना-जाना करते हैं। किसी

भी प्रशासनिक अधिकारी को घर नहीं बुलाते। करलेक्ट एवं सर्किट हाउस में बैठकर काम करते हैं। (शेष पेज 3 पर)

## छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा की उदासीनता से विधानसभा क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक घटनाएं

-विजया पाठक

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार को बने लगभग आठ माह से अधिक समय हो गया है। अपनी इस नवनिर्वाचित सरकार में विष्णुदेव साय ने प्रदेश के लॉ एंड ऑर्डर की जिम्मेदारी प्रदेश के ही उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को सौंपी थी। लेकिन विजय शर्मा की निष्क्रियता और लापरवाही का नतीजा है कि प्रदेश में विगत आठ माह में लगातार मर्डर, चोरी, भ्रष्टाचार, अपराध को लगातार बढ़ावा मिला है। विजय शर्मा को अपने क्षेत्र में



कवर्धा की घटना से उठ रहे सवाल

होने वाले अपराधों के साथ साथ पूरे प्रदेश में अपराधों पर अंकुश

लगाने के प्रयास करने होंगे। जिससे उनकी और सरकार की छवि पर भी प्रश्नचिह्न नहीं लगेंगे। विपक्ष का मानना है कि गृहमंत्री इन अपराधों और अपराधियों पर अंकुश लगाने में पूरी तरह से नाकाम होते दिखाई दे रहे हैं। आलम यह है कि अपराधों की संख्या में बढ़ोतरी के कारण प्रदेश के कर्मठ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की

छवि और उनकी सरकार की छवि पूरे राज्य में धूमिल होती प्रतीत हो रही

है। विजय शर्मा जी की निष्क्रियता का सबसे बड़ा उदाहरण है उन्हीं के विधानसभा क्षेत्र में पिछले दिनों हुई आपराधिक घटना ने पूरे प्रदेश की कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

दरअसल छत्तीसगढ़ के कवर्धा में पिछले दिनों में तीन मौतों के बाद सियासत गरमाई हुई है। यह प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा का गृह जिला है। विपक्षी पार्टी कांग्रेस का आरोप है कि गृहमंत्री विजय शर्मा अपने ही जिले में लॉ एंड ऑर्डर को नहीं संभाल पा रहे हैं। (शेष पेज 2 पर)



छिंदवाड़ा की जनता को परेशान और जिले की खुशहाली को बिखरता देख जनता के बीच पहुंचे लोकप्रिय नायक कमलनाथ

प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की निष्क्रियता से बिखर रही

कांग्रेस बड़े मुद्दों पर पटवारी की चुप्पी संदेह के घेरे में

-विजया पाठक

एक कहावत है मनुष्य स्वयं के द्वारा लगाये गये पौधे को कितने भी आँधी-तूफान आने के बावजूद उसे संरक्षित और पल्लवित कर स्थायी तौर पर खड़ा रहने के लिये प्रयास करता है। कुछ ऐसा ही प्रयास छिंदवाड़ा में कर रहे हैं पूर्व मुख्यमंत्री व जिले के लोकप्रिय नेता कमलनाथ। लगभग चार दशकों से अधिक समय के कठिन परिश्रम से एक-एक बीज रोपकर कमलनाथ ने जिस छिंदवाड़ा जिले को देश का आदर्श जिला बनाया उसे कुछ ही महीनों में भाजपा नेताओं ने छिन्न-भिन्न करना शुरू कर दिया। अपनी आँखों के सामने अपने ही जिले को छिन्न भिन्न होता देख कमलनाथ से रहा नहीं गया। शायद यही वजह है कि उन्होंने एक बार फिर निःस्वार्थ भाव से जनता के बीच जाकर

जिले को सिंचित कर खुशहाल बनाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने बोला भाजपा पर हमला

उनके सुख-दुख को अपना मानकर जनकल्याण का कार्य आरंभ कर दिया है। मैं इस बात को पूरे विश्वास के साथ कह सकती हूँ कि क्योंकि जिस ढंग से कमलनाथ ने अपने कठिन परिश्रम से जिले को सिंचित कर पल्लवित किया है आज वही छिंदवाड़ा जिला भ्रष्टाचार और अनाचार का गढ़ बनता जा रहा है। पहले तो भाजपा नेताओं ने छलबल से स्थानीय नेताओं की खरीद-फरोख्त कर चुनाव जीता उसके बाद जिले को पूरी तरह से ध्वस्त करने में जुट गये हैं। सूत्रों के अनुसार भाजपा व उसके शीर्षस्थ नेता चाहते हैं कि छिंदवाड़ा जिले में कमलनाथ की जो लोकप्रिय नेता के रूप में छवि है उसे पूरी तरह से प्रभावित किया जाये और नये सिरे से भाजपा नेता अपनी छवि जनमानस में स्थापित करें। (शेष पेज 2 पर)



# ईमानदार और बेदाग छवि के लिए विख्यात हैं डॉ. खटीक

(पेज 1 का शेष)

खटीक राजनीति के चक्कर में नहीं है। डॉ. खटीक की छवि स्वच्छ और निर्दोष है। वह राजनीति में परिवारवाद के सख्त खिलाफ हैं। खटीक के परिवार से इनके अलावा कोई भी राजनीति में नहीं है। जबकि देखा जाता है कि आजकल कोई ऐसा नहीं है जो अपने परिवार से राजनीति में नहीं लाया हो, लेकिन खटीक ने ऐसा नहीं किया। अपने राजनीति को वह केवल समाजसेवा के रूप में देखते हैं। अब तक इन पर भ्रष्टाचार या अनियमितता के कोई आरोप नहीं लगे हैं। खटीक अपनी छवि को हमेशा साफ रखे हुए हैं। वीरेंद्र कुमार खटीक लंबे समय से दलित समाज के महत्वपूर्ण नेता रहे हैं। इन्होंने समाज के कल्याण के लिए काफी काम किया है। हमेशा क्षेत्र में सक्रियता के चलते भोपाल आना जाना भी कम होता रहा। वह सिर्फ अपने काम से काम रखते हैं और लोगों की सेवा में उपलब्ध रहते हैं।

डॉ. खटीक ने छतरपुर एवं टीकमगढ़ में मेडिकल कॉलेज की सीमांत दी। और कृत्रिम अंग बनाने का कारखाना भी इनके प्रयास से यहां लगाया गया है। इससे खटीक का कद केन्द्र तक और बढ़ गया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को पत्र लिखकर कहा था कि टिकट वितरण में परिवारवाद को अवसर नहीं देने चाहिए। मध्यप्रदेश नगर पालिका के चुनाव में उन्होंने यह बात उठाई थी।

## केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र खटीक का एक्शन, बिना समय गवाय अपने प्रतिनिधि पर की कार्यवाही

मध्यप्रदेश में 07 साल की बच्ची से छेड़छाड़ के मामले में आरोपी भाजपा नेता आशीष तिवारी के खिलाफ सख्त एक्शन लिया गया है। केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र खटीक ने कुछ समय पहले ही आशीष तिवारी को अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया था। बच्ची के साथ गलत काम करने का मामला जब उजागर हुआ तो केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार खटीक ने एक्शन लेते हुए आशीष तिवारी को तत्काल प्रतिनिधि के पद से हटा दिया। तिवारी के खिलाफ पुलिस ने पोक्सो (POCSO) समेत अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पीड़िता की मां ने पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र खटीक ने 10 सितंबर को आशीष तिवारी को अपना जन-प्रतिनिधि नियुक्त किया था। 21 सितंबर को एक लेटर जारी कर केंद्रीय मंत्री ने आशीष तिवारी को जन-प्रतिनिधि के पद से हटा दिया है। मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए वीरेंद्र खटीक ने कहा था कि, कानून अपना काम करेगा। आरोप लगाने के लिए किसी को रोका नहीं जा सकता। मैं चुनौती देता हूँ कि अगर एक भी आरोप सिद्ध हो जाए, तो मैं कोई भी सजा भुगतने को तैयार हूँ।

## खटीक ने अलग-अलग विभाग में बनाये थे सांसद प्रतिनिधि

सांसद अपने क्षेत्र में प्रतिनिधि इसलिये बनाते हैं ताकि अलग-अलग विभाग में जो



## ललिता यादव, मानवेन्द्र सिंह, राकेश गिरी और अरविंद पटैरिया अवैध उत्खनन के बड़े मुखिया



खनिज अधिकारी अमीन मिश्रा अवैध खनन को बढ़ावा देते हैं। जिसके कारण खटीक ने मिश्रा को फटकार लगाई थी। जिसके बाद मानले ने तूल पकड़ा। ललिता यादव, मानवेन्द्र सिंह, राकेश गिरी और अरविंद पटैरिया अवैध उत्खनन के बड़े मुखिया हैं। उनके कार्यों ने बाधा हुई तो इन्होंने विवाद खड़ा किया। सांसद ने उचित कार्य पणाली के लिये हर विभाग में प्रतिनिधि नियुक्त किये थे जिसमें भ्रष्टाचार की रिपोर्ट खटीक तक पहुंचने लगी थी। और भ्रष्टाचार भी कम हुआ है। जिसके कारण सभी खनिज माफिया खटीक के खिलाफ लागू हो गये। स्थानीय नेता इस बात को हजम नहीं कर पाये।

## एक झटके में हटा दिये सभी 201 सांसद प्रतिनिधि

मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ लोकसभा से सांसद और केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने सांसद प्रतिनिधियों को लेकर हो रहे बखड़े के चलते अपने सभी सांसद प्रतिनिधि हटा दिए हैं। उनके संसदीय क्षेत्र में 201 सांसद प्रतिनिधि बनाए गए थे। तीनों जिल्लों के कलेक्टर को पत्र लिखा है। पत्र में कहा कि मेरे द्वारा जिल्लों में विभिन्न विभागों एवं स्थानों पर कार्य को सहज बनाने के लिए सांसद प्रतिनिधियों की नियुक्ति की गई थी। विभिन्न विषयों के आने के कारण एवं पार्टी के रीति, नीति एवं सिद्धांतों के तहत पार्टी हित में समस्त सांसद प्रतिनिधियों की नियुक्ति स्थगित की जाती है। सांसद ने हर जिल्ले में बड़ी तादाद

में सांसद प्रतिनिधि बना दिए थे। इनमें से कुछ के खिलाफ पहले से ही कई गंभीर अपराध दर्ज होने पर पूर्वमंत्री मानवेन्द्र सिंह भंवर राजा, छतरपुर विधायक ललिता यादव के साथ ही पूर्व विधायक राहुल लोधी, राकेश गिरी आदि ने सांसद प्रतिनिधियों की नियुक्ति पर सवाल खड़े किए थे। मामला तूल पकड़ने पर भाजपा हाईकमान ने इसे अपने संज्ञान में लिया था। हालांकि ये बता दें कि सांसद प्रतिनिधि कोई संविधानिक पद नहीं है, इसलिए चाहे जितने प्रतिनिधि बनाए जा सकते हैं। टीकमगढ़ लोकसभा से सांसद और केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र खटीक द्वारा छतरपुर जिल्ले की तीन विधानसभा में अपने सांसद प्रतिनिधि बनाए गए थे, जहां पर विरोध के तीर

पर पूर्व मंत्री मानवेन्द्र सिंह और छतरपुर विधानसभा की विधायक ललिता यादव ने सांसद प्रतिनिधियों का विरोध किया था और कहा था कि सांसद वीरेंद्र खटीक ने ऐसे लोगों को प्रतिनिधि बना दिया है जो भारतीय जनता पार्टी का विधानसभा में विरोध कर रहे थे। इसके बाद टीकमगढ़ विधानसभा से भाजपा के पूर्व विधायक राकेश गिरी जीस्वामी और पूर्व मंत्री राहुल लोधी ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बनाए गए सांसद प्रतिनिधियों का विरोध किया था। कांग्रेस ने भी सांसद प्रतिनिधियों को अपराधी किस्म का बताते हुए विरोध किया था। बता दें कि सांसद हर विभाग में हर जगह, हर मीटिंग में जा नहीं सकता जिसके चलते अपनी मर्जी अनुसार हर विभाग में

अपने प्रतिनिधि बना देते हैं। जिससे कि वह सांसद की अनुपस्थिति में सिर्फ बैठक में जा सकते और पार्टिसिपेट कर सकते हैं। इस दौरान वह कोई आदेश या दिशा निर्देश जारी नहीं कर सकते न ही उनके निर्देशों का पालन करने की बाध्यता है। जगत प्रवाह की टीम जब इस क्षेत्र में गई और लोगों से बात की तो उन्होंने कहा कि सांसद प्रतिनिधियों के बनने से विभागों में भ्रष्टाचार कम हुआ है। कोई व्यक्ति गलत हो सकता है लेकिन सबको हटाना उचित नहीं है। प्रतिनिधियों के कारण सब काम सुचारू चलने लगे थे और बात सांसद तक पहुंचने लगी और तमाम माफियाओं को यह कदम अखरने लगा था और सभी माफिया लामबंद हो गये थे।

कुछ भी चल रहा है उसकी सीधी रिपोर्ट उन तक पहुंच सके। क्योंकि क्षेत्र बड़ा होने के कारण सांसद इतना समय नहीं दे पाते कि वह सब जगह जाकर निगरानी कर सकें। लेकिन सांसद के इस कदम से क्षेत्र के कई नेता विरोध में हो गये। जिन नेताओं के दलाल विभागों में सक्रिय थे उन नेताओं के दुकानदारी प्रभावित होने लगी थी क्योंकि इसकी रिपोर्ट सांसद तक पहुंच जाती थी। इन विभागों में प्रमुख थे खनिज, नगरीय प्रशासन, स्वास्थ्य, पीडब्ल्यूडी आदि।

## मीटिंग में हुई सांसद की बेइज्जती

कोविड काल में मीटिंग हुई थी, उसमें मुख्यमंत्री ने सुरेश राय खेड़ा, राज्यमंत्री पीडब्ल्यूडी को प्रभारी मंत्री बनाया था। उस मीटिंग में राकेश गिरी ने सांसद की बेइज्जती की थी, गाली दी थी। गिरी ने कहा था आप हमारे विरोधियों को बढ़ावा देते हैं। जब सांसद मीटिंग से वापस चले गये थे, कलेक्टर मनाने गये थे। राकेश गिरी की शिकायत की थी। एक सांसद से इस तरह से बर्ताव करना कहा तक उचित है। जबकि सांसद डॉ. खटीक तो काफी सरल और सुलझे हुए नेता हैं।

## इनका कहना है-

जगत प्रवाह के प्रतिनिधि ने जब कुछ सांसद प्रतिनिधियों से बात की तो बताया गया कि क्षेत्र में कितनी अनियमितताएं और अनैतिक कार्य हो रहे हैं। प्रस्तुत है अंश। राकेश गिरी, नगर पालिका अध्यक्ष, टीकमगढ़ है। यहां पर टैडर अनुबंध नहीं है। यहां के सभी पुरानी फाइलें एवं अनुबंध रजिस्टर्ड जला दिये गये या गायब कर दिये गये। वहां के काम करने वाले सभी कर्मचारी योग्य नहीं हैं या योग्यतानुसार काम नहीं दिया गया। सांसद ने इसलिए प्रतिनिधि बनाये ताकि विभागों में काम सुचारू रूप से चले और किसी भी प्रकार की अडिदिकित्ताएं न हों। इसका असर भी हुआ था और अनेकों विभागों में काम खरी चल रहा था।

## अंशुल खटे, सांसद प्रतिनिधि- नगरीय प्रशासन

जगत प्रवाह पंचायत टीकमगढ़ में जो भी स्वीकृति होती है उसका काम मशीनों से कराया जाता है। हमने उसका विरोध किया, जब भ्रष्टाचार पर आवाज उठाई तो झूठे केस में फंसाने की धमकी दी गई। यहां कल्याणी गिरी, जगत पंचायत में अध्यक्ष हैं। इनकी शादी होने के बाद यह कार्यालय में आती ही नहीं है। कल्याणी गिरी, राकेश गिरी के बहन हैं। इससे पहले कल्याणी गिरी की बड़ी बहन अध्यक्ष थीं। परिचायक को लेटर जब जनकारियां मंगी गई तो झूठे आरोप लगा दिये गये।

## जितेन्द्र सेन, सांसद प्रतिनिधि

जब स्वास्थ्य विभाग की उम्मीदितताओं के खिलाफ आवाज उठाई तो धमकियां दी गईं। ठेका पद्धति पर भी रोक लगाये जाने की बात कही गई एवं कलेक्टर ने रातों-रात निरीक्षण कर सफाया दिखाई थी। नगरीय प्रशासन को तीन पत्र लिखे एक का भी जवाब नहीं मिला और हम पर दबाव बनाया गया।

## पुष्पल द्विवेदी, सांसद प्रतिनिधि, स्वास्थ्य विभाग

## सम्पादकीय

## आखिर कब समाप्त होगी खून की यह होली, क्या कोई इस होली को रोकने वाला नहीं

इजरायली हमले में मारा गया हिजबुल्लाह का चीफ लीडर सैय्यद हसन नसरल्लाह कौन था, वह इस खूबखार आतंकवादी संगठन का मुखिया कैसे बना, आखिर क्यों उसने इजरायल से दुश्मनी मोल ले ली और आईडीएफ के हमले में डेर हो गया? हसन नसरल्लाह के आतंक की पूरी कहानी आपको बताएंगे। आखिर किस तरह से और किसकी मदद से हिजबुल्लाह ने लेबनान में अत्याधुनिक हथियारों से लैस आर्मी बना डाली, जिसने ताकतवर देश इजरायल से दुश्मनी करने से जरा भी संकोच नहीं किया। सैय्यद हसन नसरल्लाह लेबनान की राजधानी बेरूत के उत्तरी बुर्ज हामुद में 31 अगस्त 1960 को पैदा हुआ था। उसके पिता ने बहुत गरीबी में हसन नसरल्लाह का पालन-पोषण किया था। वह एक दुकान चलाते थे। ताकि बच्चों की परवरिश की जा सके। हसन नसरल्लाह 8 भाई-बहन थे। साल 1992 में नसरल्लाह को हिजबुल्लाह का चीफ लीडर बनाया गया था। ईरान के समर्थन से उसने लेबनान में हिजबुल्लाह को काफी मजबूत और अत्याधुनिक हथियारों से सुसज्जित कर दिया था। हिजबुल्लाह की इजरायल से दुश्मनी कोई नई नहीं थी, बल्कि इसका गठन ही इजरायल के खिलाफ हुआ था। वह अपने ठिकाने को हमेशा बदलता रहता था। ताकि दुश्मन कभी भी उसका शिकार नहीं कर सके। मगर इस बार इजरायली



सेना की नजरों से वह खुद को बचा नहीं सका। नसरल्लाह के 4 बेटे भी हिजबुल्लाह से ही जुड़े थे। उसका सबसे बड़ा बेटा हिजबुल्लाह का लड़का था और इजरायली हमले में 1997 में ही मारा जा चुका था।

लेबनान में गृहयुद्ध के दौरान एक्टिव हो गया था नसरल्लाह 1975 में लेबनान में छिड़े गृहयुद्ध के दौरान ही एक्टिव हो गया था। वह लेबनानी क्षेत्र पर इजरायल के कब्जे के खिलाफ था। उसने तभी से इजरायल से दुश्मनी मोल ले ली थी। वह पहले शिया मिलिशिया संगठन का सदस्य था। बाद में हिजबुल्लाह में शामिल हो गया। साल 1992 में हिजबुल्लाह चीफ सैय्यद अब्बास मुसावी की हत्या के बाद नसरल्लाह इसका चीफ लीडर बन गया। लेबनान में 2018 के संसदीय चुनाव में भी हिजबुल्लाह ने बड़ी जीत हासिल की। लिहाजा लेबनान के सियासी महकमे में वह अच्छी खासी पकड़ रखता था। उसका दावा था कि उसने लेबनान में 1 लाख से ज्यादा हिजबुल्लाह लड़ाकों की फौज बना रखी थी। 07 अक्टूबर 2023 को हमारा की ओर से इजरायल पर किए गए आतंकी हमले के बाद इजरायली सेना के पलटवार से वह काफी नाराज था। गाजा में इजरायली सेना के भीषण हमले के खिलाफ वह 01 साल से इजरायल से युद्ध लड़ रहा था। अब पिछले 01 हफ्ते से इजरायल से वह सीधे जंग में कूट गया था।

## सियासी गहमागहमी

मुख्य सचिव की कुर्सी का ताज आखिर किसके सिर पर



मध्यप्रदेश के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी की कुर्सी को खाली होने में लगभग तीन दिन से भी कम का समय बचा है। वर्तमान मुख्य सचिव वीरा राणा का एक्सटेंशन बढ़ेगा या नहीं इस पर कुछ भी कह पाना संभव नहीं हो पा रहा है। लेकिन अब प्रशासनिक गलियारे में मुख्य सचिव का ताज किसके सिर बांधेगा इसको लेकर चर्चाएं आम हो गई हैं। चर्चा इस बात की है कि इस पूरी रस में सबसे आगे अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा का नाम है। उसके बाद दिल्ली में पदस्थ अनुराग जैन तथा इसके बाद एसएन मिश्रा का नाम मुख्य सचिव के पद के लिये लिया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार प्रशासनिक अधिकारियों ने तो नाम की घोषणा होने से पूर्व ही शीर्ष दो अधिकारियों के चक्कर काटना अभी से आरंभ कर दिया है सभी मलाईदार विभागों में पदस्थापना को लेकर दोनों ही अधिकारियों को मक्खन लगाने में जुटे हैं। अब देखने वाली बात यह है कि आखिर मोहन सरकार किसके सिर पर मुख्य सचिव का ताज बांधेगी।

कांग्रेस में सब कुछ ठीक है क्या?



कभी एकजुटता का संदेश पूरे देश में देने वाली मध्यप्रदेश कांग्रेस आज पूरी तरह से बिखरती हुई प्रतीत हो रही है। दरअसल बीते दिनों पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह के जन्मदिवस था। सभी ने सोचा था कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के जन्मदिन के अवसर कोई विशिष्ट आयोजन होगा और प्रदेश अध्यक्ष स्वयं मुलाकात करने पहुंचेंगे। लेकिन ऐसा कुछ होता नहीं दिखाई दिया। पटवारी के अहम को देखते हुए अब राहुल भैया ने भी उनसे किनारा करने का ठान लिया है। राहुल भैया के इस अपमान को देख कई कांग्रेस नेताओं ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अनुशासनहीनता की शिकायत कांग्रेस आलाकमान से की है। अब देखने वाली बात यह है कि कांग्रेस पार्टी आलाकमान इस पूरे मामले पर क्या एक्शन लेती है।

## हफ्ते का कार्टून



## ट्वीट-ट्वीट

क्यों Dunki हुए हरियाणा के युवा? गाजा द्वारा फैलाई गई 'बेरोजगारी की बीमारी' की कीमत लाखों परिवार अपने से दूर हो कर चुका रहे हैं। अमेरिका यात्रा के दौरान हरियाणा के उन युवाओं से मुलाकात हुई जो घर परिवार से दूर खुद को पराए मुल्क में खपा रहे हैं।

-राहुल गांधी

कांग्रेस नेता @RahulGandhi



छिटवाड़ा के चौरेड में वरिष्ठ पत्रकार श्री ललित डेहरिया पर हुए हमले की घटना निंदनीय है। मैंने ललित जी से बात की और उन्हें हर संभव मदद प्रदान की जाएगी।



दुःख की बात है कि छिटवाड़ा की कागुल व्यवस्था दिन पर दिन बिगड़ती जा रही है। इसे तुरंत दुरुस्त करने की जरूरत है।  
-कमलनाथ

पटेल कांग्रेस अध्यक्ष

@OfficeOfKNath

राजवीरों की बात

ग्वालियर चंबल की राजनीति में विशिष्ट हस्तक्षेप रखते हैं विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर

समता पाठक/जगत प्रवाह



पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को भाजपा ने विधानसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है। तोमर दिग्गज विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीतकर आए हैं। उन्होंने अपने सबसे निकटतम प्रतिद्वंद्वी बसपा के प्रत्याशी को 244461 वोटों के अंतर से मात दी है। तोमर को 79137 वोट मिले हैं। तोमर केंद्र की मोदी सरकार में कृषि मंत्रालय समेत कई अन्य मंत्रालयों की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। साफ-सुथरी छवि वाले नेता होने के नाते तोमर को इस विधानसभा का स्पीकर चुना गया है। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के पोरसा विकासखंड के ग्राम ओरैटी में जन्मे नरेंद्र सिंह तोमर ने स्नातक तक की शिक्षा हासिल की हुई है। स्नातक की पढ़ाई के दौरान तोमर महाविद्यालय में छात्र संघ के नेता भी रहे। इसके साथ ही वो ग्वालियर नगर निगम के पार्षद पद पर भी चुने गए, जिसके बाद वह पूरी तरह से राजनीति में सक्रिय हो गए। साल 1977 में भाजपा ने उन्हें युवा मोर्चा का मंडल अध्यक्ष बना दिया।

नरेंद्र सिंह तोमर ने अपना पहला विधानसभा चुनाव ग्वालियर सीट से लड़ा था। इस चुनाव में उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी अशोक कुमार शर्मा को 26 हजार से अधिक वोटों के अंतर मात दी थी। इस दौरान उनको 50 हजार वोट मिले थे। उन्होंने अपना दूसरा विधानसभा का चुनाव साल 2003 में लड़ा था, जिसमें उनको 63 हजार 592 वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी बालेन्दु शुक्ला को 29 हजार 452 वोट मिले। तोमर ने यह चुनाव 34 हजार 140 वोटों के अंतर से जीता था।

साल 2009 में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर पहली बार मुरैना से लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। मुरैना संसदीय क्षेत्र से लोकसभा सदस्य निर्वाचित होने से पहले वो राज्यसभा के सदस्य थे। इस चुनाव में उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी रामनिवास रावत को 1 लाख 97 वोटों से हराया था। वहीं, साल 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें ग्वालियर से टिकट दिया। इस दौरान उन्होंने 26 हजार से अधिक वोटों से जीत हासिल की। 1980 ग्वालियर में भाजपा युवा मंच के अध्यक्ष रहे। 1986 भाजपा युवा मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष बने। 1986 मध्य प्रदेश भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष। 1998 ग्वालियर से चुनाव जीता और एमपी विधानसभा के सदस्य बने। 2003 ग्वालियर से फिर से चुने गए और उमा भारती के नेतृत्व में कैबिनेट मंत्री बने। 2006 मध्य प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बने। 2009 राज्यसभा में सांसद बने। 2009 मुरैना से चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे। 2012 दूसरी बार मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष बने। 2014 ग्वालियर से चुनाव जीते और फिर से लोकसभा का सदस्य बने। 2014 में इस्पात, खान, श्रम और रोजगार के केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया। 2016 में पंचायती राज, ग्रामीण विकास और पंचजल एवं स्वच्छता मंत्री। 2019 में मध्य प्रदेश की मुरैना लोकसभा से सांसद निर्वाचित। 2019 में ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्रालय के साथ बने रहे और कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय का प्रभार दिया गया। 2020 में हरसिमरत कौर बादल के पद से इस्तीफा देने के बाद तोमर को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। 2023 में दिग्गज विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीता।

# पर्यावरण, पारिस्थितिकी और जैव विविधता के लिए पौधारोपण एक अनिवार्यता

जगत प्रवाह, गोंया।

आज के दौर में पर्यावरणीय संकट, जलवायु परिवर्तन, और जैव विविधता के क्षरण की समस्याएं वैश्विक चिंताओं का प्रमुख हिस्सा बन गई हैं। जहाँ सरकारें और अंतर्राष्ट्रीय संगठन इस दिशा में अनेक प्रयास कर रहे हैं, वहीं स्थानीय स्तर पर पौधारोपण जैसे छोटे कदम इन समस्याओं से निपटने में अत्यधिक प्रभावी हो सकते हैं। पौधारोपण न केवल हमारे प्राकृतिक वातावरण को संरक्षित करने में सहायक है, बल्कि यह पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमारे देश के कई राज्यों में पौधारोपण अभियान चलाए जा रहे हैं जो प्रशंसनीय हैं लेकिन इसके साथ साथ यह भी खयाल रखना होगा कि इसकी उचित रख रखाव और संरक्षण हो। सरकार द्वारा चलाए पौधारोपण अभियान को जन आंदोलन बनाना चाहिए जिसके लिए जनभागीदारी की आवश्यकता है। पेड़ लगाओ और भूल जाओ की प्रवृत्ति को त्यागना होगा।



पर्यावरण की फिक्र डॉ. प्रज्ञा सिन्हा पर्यावरणविद्

वर्तमान में जलवायु परिवर्तन एक बहुत बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। तापमान में वृद्धि, असामान्य मौसम पैटर्न, ग्लेशियरों का पिघलना, और समुद्र के जलस्तर में वृद्धि जैसी समस्याएं सीधा इस संकट की ओर इशारा करती हैं। इस दिशा में पौधारोपण एक अत्यधिक प्रभावी समाधान साबित हो सकता है। वृक्ष और पौधे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन का उत्पादन करते हैं, जिससे वातावरण में कार्बन की मात्रा नियंत्रित रहती है। इसके अलावा, पौधों द्वारा छाया और नमी की उत्पत्ति से स्थानीय जलवायु पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। पौधों

की जड़ें मिट्टी के अपरदन को रोकती हैं और भूमि की उर्वरकता को बनाए रखने में सहायक होती हैं। यह भूमि के क्षरण को रोकने और जलवायु संतुलन बनाए रखने के लिए आवश्यक है। वृक्षारोपण से नए की कटाई की समस्याओं को कम किया जा सकता है, जो जलवायु परिवर्तन का एक मुख्य कारण है।

हमारे पारिस्थितिकी तंत्र में सभी जीवित और निर्जीव घटक आपस में एक जटिल संतुलन बनाए रखते हैं। पौधारोपण के माध्यम से हम इस संतुलन को बनाए रख सकते हैं। पौधे और पेड़ पारिस्थितिकी तंत्र के मुख्य आधार हैं, क्योंकि वे भोजन, आवास, और पर्यावरणीय शुद्धता प्रदान करते हैं। यह वन्यजीवों के लिए भी अनिवार्य है, क्योंकि पौधे जानवरों को भोजन और आवास प्रदान करते हैं। वनों का कटाव और अवैध कटाई से कई वन्यजीव प्रजातियाँ विलुप्त हो रही हैं या संकटग्रस्त हो रही हैं। पौधारोपण से हम इस समस्या का समाधान कर सकते हैं, क्योंकि यह उन प्रजातियों के लिए नए निवास स्थान उत्पन्न करने में सहायक हो सकता है। पौधारोपण न केवल वन्यजीवों को सुरक्षित आवास प्रदान करता है, बल्कि यह मानव समाज को भी शुद्ध हवा, स्वच्छ पानी और अन्य महत्वपूर्ण संसाधन प्रदान करता है। पारिस्थितिकी तंत्र के अंतर्गत जल चक्र, पोषण चक्र, और वायु चक्र का संतुलन भी पौधों और पेड़ों पर निर्भर करता है। पौधारोपण से वायु प्रदूषण कम होता है और जल की गुणवत्ता में सुधार आता है, जो पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने में सहायक है।

जैव विविधता किसी क्षेत्र में उपस्थित जीवों और पौधों की विविधता को दर्शाती है। यह विविधता किसी पारिस्थितिकी तंत्र की सहनशीलता और मजबूती का प्रतीक होती है। किंतु, मानव गतिविधियाँ, जैसे कि वनों की कटाई, शहरीकरण और औद्योगिक विकास, ने जैव विविधता को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। कई प्रजातियाँ विलुप्त हो रही हैं या विलुप्त होने के करीब पर हैं। इस संकट का समाधान भी पौधारोपण के माध्यम से किया जा सकता है। पौधारोपण जैव विविधता के संरक्षण में मदद करता है क्योंकि यह विभिन्न प्रजातियों के लिए नए आवास और भोजन के स्रोत उत्पन्न करता है। पौधों और पेड़ों का विविध प्रकार का विकास और पौधारोपण से जैव विविधता को बढ़ावा मिल सकता है, जो किसी क्षेत्र की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सहायक होता है।

पौधारोपण जैव विविधता के संरक्षण में मदद करता है क्योंकि यह विभिन्न प्रजातियों के लिए नए आवास और भोजन के स्रोत उत्पन्न करता है। पौधों और पेड़ों का विविध प्रकार का होना जैव विविधता को और भी समृद्ध बनाता है। विभिन्न प्रकार के पौधे और वृक्ष कई प्रकार के कीट, पक्षी, और अन्य जीवों को आकर्षित करते हैं, जो उस पारिस्थितिकी तंत्र की जैव विविधता को बढ़ाते हैं।

उदाहरण के तौर पर, वन्य क्षेत्रों में स्थानीय पौधों का रोपण करके हम उन स्थानों की जैव विविधता को संरक्षित और पुनर्जीवित कर सकते हैं, जहाँ वह खतरों में है। इससे प्रजातियों का संरक्षण हो सकता है और उनके लिए सुरक्षित आवास तैयार किए जा सकते हैं। पौधारोपण का महत्व केवल पर्यावरणीय दृष्टिकोण से ही नहीं है, बल्कि यह समाज और अर्थव्यवस्था के लिए भी लाभदायक है। वृक्षों और पौधों की उपस्थिति से शहरी क्षेत्रों में गर्मी को कम किया जा सकता है, जिससे ऊर्जा की खपत घटती है। इसके अलावा, पौधारोपण से खाद्य सुरक्षा और आजीविका के साधन भी उत्पन्न होते हैं, जैसे कि फल, लकड़ी, और औषधीय पौधे। आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो पौधारोपण से रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। वृक्षारोपण, बागवानी, और कृषि उद्योगों में रोजगार सृजन होता है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आर्थिक स्थिरता आ सकती है। इसके अतिरिक्त, पर्यावरण-पर्यटन को बढ़ावा मिल सकता है, जो किसी क्षेत्र की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सहायक होता है।

पौधारोपण की प्रक्रिया में केवल सरकारी और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी पर्याप्त नहीं है। इसके लिए जनसहभागिता की भी उतनी ही आवश्यकता है। यदि प्रत्येक नागरिक अपने स्तर पर पौधारोपण को प्राथमिकता देता है, तो बड़े पैमाने पर परिवर्तन संभव है। शहरी क्षेत्रों में पार्क, स्कूल, और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पौधारोपण अभियान चलाए जा सकते हैं।

# हिंदू धर्म में नवरात्र का विशेष महत्व

जगत प्रवाह.

गोंया। नवरात्रि एक ऐसा त्यौहार है जिसमें लोग देवी दुर्गा की पूजा खुशी-खुशी करते हैं। भारतीय इस त्यौहार को बहुत खुशी और उत्साह के साथ मनाते हैं। इसके अलावा, 'नव' का अर्थ नौ है और 'रात्रि' का अर्थ रात है। इस प्रकार, त्यौहार का नाम इसलिए पड़ा क्योंकि हम इसे नौ रातों की अवधि में मनाते हैं। नवरात्र अथवा नवरात्रि, हिंदुओं का एक प्रमुख पर्व है। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान, शक्ति/देवी की पूजा की जाती है। साल में चार बार नवरात्रि आते हैं। शारदीय नवरात्र



आज की बात पर्वीण कक्काड स्वतंत्र लेखक



भागों में अलग ढंग से मनाया जाता है। गुजरात में इस त्यौहार को बड़े पैमाने से मनाया जाता है। गुजरात में नवरात्र समारोह डांडिया और गरबा खेल कर मनाया जाता है। यह पूरी रात भर चलता है। देवी के सम्मान में भक्ति प्रदर्शन के रूप में गरबा, 'आरती' से पहले किया जाता है और डांडिया समारोह उसके बाद। पश्चिम बंगाल के राज्य में बंगालियों के मुख्य त्यौहारों में दुर्गा पूजा बंगाली कैलेंडर में, सबसे अलंकृत रूप में उभरा है। नवरात्र उत्सव देवी अंबा (विद्युत) का प्रतिनिधित्व है। वसंत की शुरुआत और शरद ऋतु की शुरुआत, जलवायु और सूरज के प्रभावों का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है। ये दो समय मे मां दुर्गा की पूजा के लिए पवित्र अवसर माना जाता है। नवरात्र पर्व, मां-दुर्गा की अवधारणा भक्ति और परमात्मा की शक्ति (उदात्त, परम, परम रचनात्मक ऊर्जा) की पूजा का सबसे शुभ और अनोखा अवधि माना जाता है। यह पूजा वैदिक युग से पहले, प्रागैतिहासिक काल से चला आ रहा है।

का समापन दशहरा को दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन के रूप में होता है। नवरात्र भारत के विभिन्न

# देशत्यापी बाल अश्लीलता पर न्यायालय का अंकुश



-प्रमोद भार्गव

सर्वोच्च न्यायालय ने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा है कि बच्चों के यौन पोशाग से जुड़े अश्लील वीडियो और कंटेंट डाउनलोड करने, देखने, रखने या उसे किसी को भेजने पर बाल यौन अपराध (पाक्सो) कानून और आईटी एक्ट के तहत अपराध माना जाएगा। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ ने कहा, अगर किसी को ऐसी सप्रगी अनजाने में भी मिली है और वह इसे डिलीट नहीं करता है तो भी पाक्सो एक्ट की धारा-15 के तहत अपराध होगा। भले ही उस व्यक्ति ने वीडियो किसी को फॉरवर्ड नहीं किया हो। इसके साथ ही चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने उच्च न्यायालय मद्रास का वह आदेश रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि बाल पोर्न देखना और डाउनलोड करना पाक्सो तथा आईटी कानून में अपराध नहीं है। इस न्यायालय ने एक युवक के विरुद्ध पाक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले को यह कहकर निरस्त कर दिया था कि उसने बाल पोर्न डाउनलोड तो किया लेकिन किसी को भेजा नहीं था। इसके साथ ही शोध न्यायालय ने देशव्यापी यौन शिक्षा कार्यक्रम चालू करने की नसीहत भी भारत सरकार को दी है। न्यायालय ने पोर्न देखने और रखने को अपराध जरूर माना है, लेकिन इससे बाल पोर्न पर अंकुश लग जाएगा, यह कहना मुश्किल है। क्योंकि पोर्न का कारोबार विश्वव्यापी है और इसके सूत्रधार अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में बैठे हुए हैं।

अंतर्जाल की आभासी वे मायावी दुनिया से अश्लील सामग्री पर रोक की मांग सबसे पहले इंस्टीट्यूट ऑफ नागरिक कमेंट्रीस वाशिंगटन ने सर्वोच्च न्यायालय से की थी। याचिका में दलील दी गई थी कि इंटरनेट पर अवतारित होने वाली अश्लील वेबसाइटों पर इसलिए प्रतिबंध लगना चाहिए, क्योंकि ये साइटें स्त्रियों एवं बालकों के साथ यौन दुराचार का कारण

तो बन ही रही हैं, सामाजिक कुरूपता बढ़ाने और निकटतम रिश्तों को तार-तार करने की वजह भी बन रही हैं। इंटरनेट पर अश्लील सामग्री को नियंत्रित करने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं होने के कारण जहां इनकी संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, वहीं दर्शक संख्या भी बेतहाशा बढ़ रही है। ऐसे में समाज के प्रति उत्तरदायी सरकार का कर्तव्य बनता है कि वह अश्लील प्रौद्योगिकी पर नियंत्रण की टोस पहल करें। हालांकि अब इस अपराध पर नियंत्रण के लिए पाक्सो एक्ट और आईटी कानून में प्रावधान कर दिए गए हैं। न्यायालय ने इनमें कठोरता के नए प्रावधान भी कर दिए हैं।

वस्तु स्थिति यह है कि इंटरनेट पर अश्लीलता का तिलिस्म भरा पड़ा है। वह भी दृश्य, श्रव्य और मुद्रित तीनों माध्यमों में। ये साइटें नियंत्रित या बंद इसलिए नहीं होती, क्योंकि सर्वरों के नियंत्रण कक्ष विदेशों में स्थित हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मायावी दुनिया में करीब 20 करोड़ अश्लील वीडियो एवं क्लीपिंग चलायमान हैं, जो एक क्लिक पर कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल, फेसबुक, ट्यूट, यूट्यूब और वाट्सअप की स्क्रीन पर उभर आती हैं। लेकिन यहां सवाल उठता है कि इंटरनेट पर अश्लीलता की उपलब्धता के यही हालात चीन में भी थे। परंतु चीन ने जब इस यौन हमले से समाज में कुरूपता बढ़ती देखी तो उसके वेब तकनीक से जुड़े अभियंताओं ने एक झटके में सभी वेबसाइटों को प्रतिबंधित कर दिया। गौरतलब है, जो सर्वर चीन में अश्लीलता परोसते थे, उनके ठिकाने भी चीन से जुदा धरती और आकाश में थे। तब फिर यह बहाना समझ से परे है कि हमारे आईटी विशेषज्ञ इन साइटों को बंद करने में क्यों अक्षम साबित हो रहे हैं? चीन यही नहीं रुका, उसने अब गूगल की तरह अपने सर्च-इंजन बना लिए हैं। जिन पर अश्लील सामग्री अपलोड करना पूरी तरह प्रतिबंधित है।

इस तथ्य से दो आशंकाएं प्रगट होती हैं कि बहुपक्षीय कंपनियों के दबाव में एक तो हम भारतीय बाजार से इस आभासी दुनिया के कारोबार को हटाना नहीं चाहते, दूसरे इसे इसलिए भी नहीं

हटाना चाहते क्योंकि यह कामवर्द्धक दवाओं व उपकरणों और गर्भ निरोधकों की बिक्री बढ़ाने में भी सहायक हो रहा है। जो विदेशी मुद्रा कमाने का जरिया बना हुआ है। कई सालों से हम विदेशी मुद्रा के लिए इनमें भूखे नजर आ रहे हैं कि अपने देश के युवाओं के नैतिक पतन और बच्चियों व स्त्रियों के साथ किए जा रहे दुष्कर्म और हत्या की भी परवाह नहीं कर रहे? अमेरिका, ब्रिटेन, जापान और चीन से विदेशी पूंजी निवेश का आग्रह करते समय क्या हम यह शर्त नहीं रख सकते कि हमें अश्लील वेबसाइटें बंद करने की तकनीक और गूगल की तरह अपना सर्च-इंजन बनाने की तकनीक दें? लेकिन दिक्रत व विरोधाभास यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन, कोरिया और जापान इस अश्लील सामग्री के सबसे बड़े निर्यात और निर्यातक देश हैं। लिहाजा वे आसानी से यह तकनीक हमें देने वाले नहीं हैं। गोया, यह तकनीक हमें ही अपने देशज स्रोतों से विकसित करनी होगी।

ब्रिटेन में सोहो एक ऐसा स्थान है, जिसका विकास ही पोर्न वीडियो फिल्मों एवं पोर्न क्लीपिंग के निर्माण के लिए हुआ है। यहां बनने वाली अश्लील फिल्मों के निर्माण में ऐसी बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने धन का निवेश करती हैं, जो कामोत्तेजक सामग्री, दवाओं व उपकरणों का निर्माण करती हैं। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा की कंपनी भी ब्रिटेन को पोर्न फिल्मों बेचती थी। यह शहर 'सैक्स उद्योग' के नाम से ही विकसित हुआ है। बाजार को बढ़ावा देने के ऐसे ही उपायों के चलते ग्रीस और स्वीडन जैसे देशों में क्रमशः 89 और 53 फीसदी किशोर निरोध का उपयोग कर रहे हैं। यही वजह है कि बच्चे नाबालिग उम्र में काम-मनोविज्ञान की दृष्टि से परिपक्व हो रहे हैं। 11 साल की बच्ची रजस्वला होने लगी है और 13-14 साल के किशोर कामोत्तेजन महसूस करने लगे हैं। इस काम-विज्ञान की जिज्ञासा पूर्ति के लिए अब वे फुटपाथी सस्ते साहित्य पर नहीं, इंटरनेट की इन्हीं साइटों पर निर्भर हो गए हैं, उनकी मुड़ियों में मोबाइल थमाकर हम गर्व का अनुभव कर रहे हैं।

### अश्लीलता का अंतर्जाल

बच्चों के यौन पोशाग और उससे संबंधित सामग्री को सोशल मीडिया पर परोसने और प्रसारित करने के मामले में 83 लोगों के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो ने चार साल पहले बड़ी कार्यवाही की थी। देश के 14 राज्यों के 76 ठिकानों पर सघन तलाशी का अभियान चलाया था। तलाशी की इस मुहिम से पता चला था कि लगभग पूरे देश में अश्लीलता का यह जंजाल नरों के कारोबार की तरह फैल गया है। यही नहीं अनेक महाद्वीपों में फैले सौ देशों के नागरिक इस गोरखधंधे में शामिल हैं। शहर तो शहर मध्य-प्रदेश के उबरा तहसील के ग्राम अकबाई में भी बाल यौन पोशाग से जुड़ी अश्लील फिल्में बनाने का कारोबार मिला था। यह अत्यंत चिंता का विषय है। 31 सदस्यों का एक वाट्सअप समूह इस कारोबार का संचालन करता था।

पोर्न फिल्में बनाने और उन्हें अनेक सोशल साइट व एप्स पर अपलोड करने के मामले में प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा को भी मुंबई पुलिस ने हिरासत में लिया था। वे अश्लील फिल्में बनाने, बेचने और इससे धन कमाने के धंधे में शामिल थे। तीन महिलाओं ने उनके विरुद्ध शिकायत की थी। किराए के बंगले में राज कुंद्रा की कंपनी और उनके सहयोगी फिल्में बनाते थे। कुंद्रा की कंपनी आग्रस प्रडक्ट लिमिटेड ने हाट शाट्स एप बनाया और इसे ब्रिटेन में एक रिश्तेदार के नाम से रजिस्टर्ड कंपनी केनरिन को बेच दिया था। कुंद्रा के साथ काम करने वाली कुछ लड़कियां अंतरराष्ट्रीय पोर्नोग्राफी गिरोह के शिकंजे में भी भाई गई थीं। इस मामले में कुंद्रा को पोर्न फिल्म रिकेट का मुख्य साजिशकर्ता माना था। इस मामले से पता चलता है कि फिल्म, टीवी, सोशल मीडिया और आईटी कंपनियों की अनेक हरितयां इस नीले कारोबार से जुड़ी हैं। दिल्ली में घटी एक घटना में 27 किशोर दोस्त सोशल मीडिया के इंस्टाग्राम पर एक समूह बनाकर अपने साथ ले रहे वाली छात्राओं के साथ सामूहिक बलात्कार की शहयंत्रकारी योजना बना रहे थे। ये सभी दक्षिण दिल्ली के महानि विद्यालयों में पढ़ते थे। और 11वीं व 12वीं के छात्र होने के साथ अति धनाढ्य परिवारों से थे। साफ है, स्मार्ट मोबाइल में इंटरनेट और सोशल साइटें बच्चों का चरित्र खराब करने का बड़ा माध्यम बन रही हैं और इस कारोबार में सेलिब्रिटीज शामिल हैं।

(जगत फीचर्स)

## छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा की उदासीनता से विधानसभा क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक घटनाएं

(पेज 1 का शेष)

उनके ही कवर्धा जिले के लोहारडीह में दिनदहाड़े एक युवक शिवप्रसाद उर्फ कचरू की कथित आत्महत्या का मामला सामने आया। उसके बाद उस घटना से नाराज लोगों ने गांव के ही रघुनाथ साहू को कचरू की हत्या का आरोप लगाया। गांव के सैकड़ों लोगों ने रघुनाथ साहू के घर पर धावा बोल दिया। पहले तो उसके घर वालों को पीटा उसके बाद भीड़ इतनी उग्र हो गई कि रघुनाथ को उसके ही घर में भीड़ ने जिंदा जला दिया। मौके पर पहुंची पुलिस और गांव वालों के बीच झड़प हुई। इस दौरान गांव वालों ने पुलिस वालों पर भी पथराव किया, जिससे नाराज पुलिस वालों ने सैकड़ों गांव वालों को जमकर पीटा और 100 से ज्यादा लोगों को जेल में दाखिल कर दिया।

### विपक्षी दल ने लगाये जंभोर आरोप

हत्या के आरोप में बंद प्रशांत की जेल में ही मौत हो गई, उसके बाद उसके परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस की पिटाई से प्रशांत जेल में ही मर गया। अंतिम संस्कार के दौरान प्रशांत के शरीर पर जो चोट है उसे देखकर यह कहा जा रहा है कि पुलिस ने इतना पीटा कि वह तड़प तड़प कर जेल में ही मर गया। अब इसी मामले को कांग्रेस ने मुद्दा बना लिया है। कांग्रेस पार्टी के नेताओं का आरोप है कि लोहारडीह घटना में पुलिस ने सैकड़ों गांव वालों को बर्बरता पूर्वक मारा। महिलाओं से लेकर पुरुष और बच्चों तक को नहीं छोड़ा। आरोप ये भी है कि जेल में बंद कई लोग बीमार हैं लेकिन उनका इलाज नहीं कराया जा रहा। इसलिए वह पूरे मामले की

न्यायिक जांच की मांग के साथ गृहमंत्री का इस्तीफा मांग रहे हैं।

### एक गलती से विपक्ष के प्रहार का होना पड़ा शिकार

इस पूरी घटना पर अब सिवासत ही गर्माई हुई है। घटना को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक पर सहित कई नेता लोहारडीह गांव पहुंचे। उन्होंने मृतक प्रशांत साहू के परिजनों से मुलाकात की और आरोप लगाया कि घटना के बाद पुलिस ने गांव के सैकड़ों लोगों को बहुत बुरी तरह पीटा, जिसके कारण सैकड़ों लोग बीमार हो गए हैं। आरोप है कि जेल में बंद लोग प्रदां से कराह रहे हैं और उनमें से ही एक प्रदां साहू की असहनीय दर्द के कारण मौत हो गई है। प्रशांत साहू के अंतिम संस्कार में पहुंची उसकी मां और भाई ने

अपने शरीर पर चोट के कई निशान भूपेश बघेल को दिखाए।

### डॉ. चरणदास मंहत ने कहा शर्मा का है पुलिस प्रशासन पर जबरदस्त शिकंजा

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास मंहत ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार बनते ही अपराधियों के हाँसले बुलंद हो गये हैं। सरकार के संरक्षण के चलते प्रदेश भर में जघन्य अपराध हो रहे हैं। कबीरधाम जिले के लोहारडीह में हूँ चारदात छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था की स्थिति की कहानी कह रही है। रंगारक्षेत्र के ग्राम के युवक शिव प्रसाद साहू की मौत से ग्रामवासियों में जो आक्रोश पनपा है उसके लिये कबीरधाम जिले का पुलिस प्रशासन जिम्मेदार है। होनहार युवक के परिवार को भाजपा से

जुड़े लोग परेशान कर रहे थे लेकिन पुलिस न कोई भी कार्यवाही नहीं की, कबीरधाम जिला पुलिस प्रशासन प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा से बगैर पूछे साधारण मामले में भी एफआईआर तक नहीं करता है।

### प्रदेश के विकास को लेकर सक्रिय है मुख्यमंत्री

जबकि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय लगातार प्रदेश के विकास के लिये योजनाबद्ध ढंग से कार्य करने में लगे हुए हैं। साय सरकार के सक्रियता के कारण ही प्रदेश में आठ माह में सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदेश की जनता को मिल रहा है। लेकिन प्रदेश कैबिनेट के कुछ एक मंत्रियों की उदासीनता और निष्क्रियता ने प्रदेश की छवि को धूमिल करने का कार्य किया है।

## बाल-बाल बचे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री, अचानक टकरा गई काफिले की 2 गाड़ियां



### -संवाददाता

**जगत प्रवाह.** रायपुर। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के काफिले की दो गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इस दौरान साय की गाड़ी बाल-बाल बच गई। मुख्यमंत्री का काफिले में अचानक गाय के सामने आने से यह घटना हुई है, गाय को बचाने के चक्कर में गाड़ी टकरा गई। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की गाड़ी बाल-बाल बच गई। हालांकि, इस घटना में मुख्यमंत्री साय के काफिले की दो गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं। हादसा तब हुआ जब सीएम विष्णुदेव साय का काफिले दुर्ग जिला अस्पताल के सामने से गुजर रहा था। यहां से गुजरने के दौरान मुख्यमंत्री साय के काफिले के सामने अचानक ही एक गाय आ गई और काफिले की दो गाड़ियां अचानक टकरा गईं। हालांकि, मुख्यमंत्री साय जिस गाड़ी में बैठे थे, वो बाल-बाल बच गई। इस घटना में मुख्यमंत्री साय पूरी तरह से सुरक्षित हैं, उन्हें कोई चोट नहीं आई है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री

विष्णुदेव साय दुर्ग में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए हुए थे। उन्होंने दुर्ग में 22 करोड़ 97 लाख के विकास कार्य का भूमिपूजन किया है। इस दौरान विष्णुदेव साय के साथ उप मुख्यमंत्री अरुण साव, दुर्ग सांसद विजय बघेल कार्यक्रम में मौजूद रहे। साथ ही विधायक गजेंद्र यादव, दुर्ग महापौर धीरज बाकलीवाल भी मौजूद थे। छत्तीसगढ़ के सीएम के काफिले की गाड़ियों की टक्कर की खबर से हलचल मच गई। हालांकि, जब पता चला कि सीएम पूरी तरह सुरक्षित हैं तो लोगों ने राहत की सांस ली। छत्तीसगढ़ में हुए विधानसभा चुनावों के बाद भाजपा को बहुमत मिला था। कांग्रेस की करारी हार के बाद प्रदेश में सीएम चेहरे को लेकर दौड़ शुरू हुई। बाद में विष्णुदेव साय सबसे आगे निकलते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री बने और तब से अभी तक मुख्यमंत्री के पद पर बने हुए हैं। छत्तीसगढ़ के साथ ही राजस्थान और मध्य प्रदेश में भी भाजपा ने नए चेहरों को मुख्यमंत्री बनाया था।



## केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम में महिला बंदियों को ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण का हुआ समापन

### -नरेन्द्र दीक्षित

**जगत प्रवाह.** नर्मदापुरम। Hub for empowerment of women के अंतर्गत केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम में महिला बंदियों को ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण दिनांक 10.09.2024 से 25.9.24 तक दिया गया। दिनांक 25 सितंबर 2024 को ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण के

समापन समारोह में डिप्टी कलेक्टर डॉ. बनीता राठौर की उपस्थिति में प्रमाण पत्र वितरित किये गये। कार्यक्रम में केन्द्रीय जेल अधीक्षक संतोष सोलंकी, उप जेल अधीक्षक प्रहलाद बरखडे, जेलर हितेश बाडया, वन स्टॉप सेटर प्रशासक प्रतिभा बाजपेयी, ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षिका नीलिमा बाथरे, सिटी मैनेजर दिव्या मिश्रा उपस्थित थीं।



## केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने की सीएम विष्णुदेव साय से मुलाकात

### -संवाददाता

**जगत प्रवाह.** रायपुर। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय से मुख्यमंत्री निवास रायपुर में मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ आगमन पर उनका स्वागत और सम्मान किया। इस दौरान पेयजल, स्वच्छता और इससे जुड़ी केंद्रीय प्रवर्तित योजनाओं पर भी चर्चा हुई। इस मौके पर डिप्टी सीएम अरुण साव भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री साय, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री पाटिल ने राजनांदगांव जिले के अमलीडीह गांव के ग्रामीण औद्योगिक पार्क में महिला समूहों के संचालित प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनित का मुआयना किया। उन्होंने प्लास्टिक कचरे की रिसाइक्लिंग करके पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए जा रहे महिला समूहों के प्रयास की सराहना की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा, पूर्व सांसद प्रदीप गांधी, जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष दिनेश गांधी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

### एक अनुकरणीय प्रयास: सीएम साय

मुख्यमंत्री ने महिला समूह से चर्चा करते हुए कहा कि आप सबका यह प्रयास राज्य और देश में पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में एक अनुकरणीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से हम प्लास्टिक कचरा को रिसाइक्लिंग कर पर्यावरण को रहे नुकसान को कम कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि महिला समूह ने अपने विशेष प्रयासों से रोजगार और स्वावलंबन हासिल करने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए उल्लेखनीय काम किया है। इस अवसर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री पाटिल ने कहा कि महिलाएं आज अनेक क्षेत्रों में अपने हुनर व मेहनत से देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। महिला समूह आत्मसम्मान के साथ रोजगार और स्वावलंबन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक वेस्ट से मिट्टी, पानी और

हवा प्रदूषित होती है। इससे जीव-जंतु का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि महिला समूह ने जो प्लास्टिक कचरा को रिसाइक्लिंग करने का बीड़ा उठाया है, यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कारगर साबित होगा।

डोंगरगांव के ग्राम पंचायत अमलीडीह में महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क संचालित है। यहां स्वच्छता दीदीओं की ओर से अर्जुनी, कोनारी एवं अमलीडीह क्लस्टर व आसपास के ग्राम पंचायत से निकलने वाले प्लास्टिक कचरा को संग्रहित किया जाता है। क्लस्टर की महिला समूहों द्वारा प्लास्टिक कचरे को यहां लाकर इसकी छंटनी और फिर रिसाइक्लिंग कर प्लास्टिक गट्टा, प्लास्टिक दाना एवं प्लास्टिक पीपी बनाया जाता है। प्लास्टिक गट्टा को रायपुर भेजा जाता है। प्लास्टिक गट्टा से प्लास्टिक सुतली, गुड्डाख डब्बा, प्लास्टिक कुर्सी, प्लास्टिक ड्रम एवं प्लास्टिक के अन्य उत्पाद बनाए जाते हैं।

## दुर्गा पूजा के दौरान आवश्यक सेवाओं के लिए अनुरोध

### -अमित राय

**जगत प्रवाह.** हावड़ा। बाली के निवासियों की ओर से अत्यंत सम्मानपूर्वक और विनम्र निवेदन रेयाज अहमद (सरस्व, प्रशासन बोर्ड, हावड़ा नगर निगम व पूर्व पार्षद, वार्ड संख्या 59) ने पत्र के माध्यम से किया है। बाली म्युनिसिपैलिटी के प्रशासक (एडमिनिस्ट्रेटर) को लिखे पत्र में उन्होंने आवेदन किया है कि बाली नगर पालिका के क्षेत्र में दुर्गा पूजा उत्सव को सुचारू और आनंददायक बनाने के लिए आवश्यक सेवाओं को विशेष रूप से बहाल की जाए। उन्होंने बताया है कि दुर्गा पूजा के पावन त्यौहार के निकट आने के साथ, भक्तों के लिए स्वच्छ और अनुकूल वातावरण बनाना अनिवार्य है। रेयाज अहमद ने नगर पालिका द्वारा निम्नलिखित सेवाएँ प्रदान करने का अनुरोध किया है:

**नालियों की सफाई:** जलभरण को रोकने और उचित जल निकासी सुनिश्चित करना  
**कचरा हटाना:** स्वच्छता बनाए रखने और स्वास्थ्य संबंधी खतरों को रोकने के लिए कचरे का नियमित संग्रह और निपटान  
**सड़कों की सफाई:** सुनिश्चित करना कि इलाके की सड़कों और गलियों को साफ और मलबे से मुक्त रखने के लिए नियमित रूप से झाड़ू लगाई जाए।  
**सड़कों और पंडालों के आस-पास की सफाई:** एक स्वच्छ और आकर्षक वातावरण बनाने के लिए, सड़कों और पंडालों के आस-पास के क्षेत्रों की सफाई

**सड़कों का जीर्णोद्धार और निर्माण:** यदि आवश्यक हो, तो त्यौहार के दौरान बुनियादी ढांचे में सुधार और आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए क्षेत्र में सड़कों का जीर्णोद्धार या निर्माण करने पर विचार करना  
**पर्याप्त पानी की आपूर्ति:** दुर्गा पूजा अवधि के दौरान इलाके में पानी की निरंतर और पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करना और पानी की टंकियों की आपूर्ति करना क्योंकि मांग बढ़ेगी  
**स्ट्रीट लाइट की मरम्मत और अतिरिक्त लाइटों की व्यवस्था:** सुरक्षा बढ़ाने और उत्सव का माहौल बनाने के लिए, मौजूदा स्ट्रीट लाइट की मरम्मत और क्षेत्र में अतिरिक्त लाइटों की व्यवस्था करना



विष्णु के सुशासन से  
सँवर रहा छत्तीसगढ़



श्री नरेन्द्र मोदी  
माननीय प्रधानमंत्री



श्री विष्णु देव साय  
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

# सुशासन से विकास की नई राह...

- ❖ कृषक उन्नति योजना : धान का प्रति बिंदल 3100 रुपये मिल रहा दाम, खेती-किसानी से खुले समृद्धि के द्वार
- ❖ मुख्यमंत्री आवास योजना (बामीण): 47 हजार 90 आवासहीन बामीण परिवारों को मिलेगा लाभ

- ❖ शासकीय भर्ती में आयु सीमा में छूट: पुलिस विभाग सहित शासकीय भर्तियों में युवाओं को अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट
- ❖ बरखाकार मुक्त पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित



- ❖ मुफ्त अनाज: छत्तीसगढ़ के 68 लाख गरीब परिवारों को अगले पांच साल तक नि:शुल्क राशन
- ❖ तैदूपता संग्रहांक पारिश्रमिक: 4000 रुपये से बढ़ाकर 5500 रुपये प्रति मालक बेटा

- ❖ 'लियाट नेल्लालार' अभियान के साथ नकसल समस्या के पूर्ण निदान के प्रभावी कदम
- ❖ तद्विनिर्णय, दरवा प्रशासन: विष्णु देव सरकार में अब तक 150 माओवादी गुठभेड़ में हेर, 599 की गिरफ्तारी, 510 में किया आत्मसमर्पण

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से जुड़ने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें...

हमने बनाया है, हम ही सँवारेगे



Visit us : [ChhattisgarhCMD](https://www.chhattisgarh.gov.in) [ChhattisgarhCMD](https://www.chhattisgarh.gov.in) [ChhattisgarhCMD](https://www.chhattisgarh.gov.in) [ChhattisgarhCMD](https://www.chhattisgarh.gov.in) [DPRChhattisgarh](https://www.dprchhattisgarh.gov.in) [DPRChhattisgarh](https://www.dprchhattisgarh.gov.in) [www.dprchhattisgarh.gov.in](https://www.dprchhattisgarh.gov.in)

छत्तीसगढ़ सरकार  
Chhattisgarh Government